RAF SECTOR

NEWS CLIP

18/04/2022

TO SERVE HUMANITY WITH SENSITIVE POLICING

Dainik Jagran, New Delhi , (DELHI)

एक हजार लोगों ने किया शोभायात्रा पर हमला

घायल एसआइ ने कहा, कुछ भी सुनने के लिए तैयार नहीं थे उपद्रवी, समझाने के बावजूद करने लगे पथराव

तेलू राम • बाहरी दिल्ली

हनुमान जन्मोत्सव पर जहांगीरपुरी में हुई हिंसा के दौरान एसआइ मेदालाल मीणा भी ड्यूटी पर तैनात थे। उन्होंने बताया कि शोभायात्रा में शामिल लोगों पर छतों और सड़क से पथराव होने लगा। उन्होंने दूसरे पुलिस कर्मियों के साथ मिलकर किसी तरह स्थिति पर काबू पाया। कुछ समय बाद जहांगीरपुरी सी ब्लाक की ओर से करीब एक हजार लोग तलवार और अन्य तेजधार हथियार लेकर कुशल चौक पर आए और लोगों पर वार करने लगे। कहीं लाठियां चल रही थीं तो कहीं से कांच की बोतलें व ईंट-पत्थर।

मीणा ने बताया कि इस दौरान बच्चों और युवओं के साथ महिलाएं भी पथराव कर रही थीं। साथ ही बांग्लादेशी भाषा में नारेबाजी भी कर रहे थे। उन्होंने यह भी बताया कि शोभायात्रा में शामिल लोग काफी दूर खड़े थे। पथराव करने के बाद बांग्लादेशी लोग ही आगे बढ़े व लोगों पर तलवारों से हमला किया। उन्होंने बताया कि उनके साथी पुलिस कर्मी के हाथ व कमर पर भी हमला किया गया था। एसआइ मीणा ने बताया कि हिंसा में शामिल लोगों ने उपद्रव के बाद आसपास के सीसीटीवी कैमरों को भी तोड़ दिया था, ताकि उनकी पहचान न हो सके।

लाठी-डंडे तक नहीं थे पुलिस कर्मियों के पास: मेदालाल मीणा के अनुसार, जब वह ड्यूटी पर तैनात थे, उस समय ज्यादातर पुलिस कर्मियों के पास न ही लाठी थी और न ही अन्य सुरक्षा उपकरण। उन्हें आशंका ही नहीं थी कि ऐसा भी कुछ हो सकता है। एसएचओ समेत कुछ पुलिस कर्मियों के पास पिस्टल थी। हालांकि पुलिस कर्मियों ने कोई गोली नहीं चलाई।

सदर बाजार में गश्त करते पुलिसकर्मी। सौजन्य: दिल्ली पुलिस

सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर इलाके में तैनात आरएएफ का महिला दल • हरीश कुमार

गोली लगने के बाद भी डटे रहे एसआइ मेदालाल

राजस्थान के दौसा के बरवा गांव के मेदालाल मीणा पत्नी संतरा, बेटी मनीषा और बेटे सागर के साथ नरेला की पुलिस कालोनी में रहते हैं। शनिवार को उनकी तीन शोभायात्राओं में ड्यूटी लगी थी।

मेदालाल मीणा •

दो शोभायात्रा शांतिपूर्वक में शांति रही। तीसरी जब धार्मिक स्थल के पास पहुंची तो ऊपर से पथराव होना लगा। इसी दौरान भीड़ में से किसी ने सात से आठ राउंड फायरिंग की। जिसमें से एक गोली उनके हाथ पर लगी। उनके साथी पुलिस कर्मी योगेश उन्हें अस्पताल ले जाने की बात करने लगे, लेकिन उन्होंने मना कर दिया और जब तक स्थिति सामान्य नहीं हुई मौके पर ही डटे रहे। इसके बाद बाबू जगजीवन राम अस्पताल में इलाज के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई।

बहुसंख्यक आबादी को ही निशाना बना रहे थे उपद्रवी

जहांगीरपुरी में हनुमान जन्मोत्सव पर निकाली गई शोभायात्रा पर पथराव के बाद उपद्रवी इलाके में जानबूझकर बहुसंख्यक आबादी को निशाना बनाते रहे। उन्होंने जमकर उत्पात मचाया था। हाथों में तलवारें, चाकू, पिस्टल, हथौड़े आदि लिए उपद्रवियों की भीड़ ने घटना स्थल सी-ब्लाक से सटे जी और एच-ब्लाक में न केवल दुकानों में तोड़फोड़ करते हुए नकदी आदि लूटी थी बल्कि सड़क किनारे करीब 15 से 20 वाहनों को निशाना भी बनाया था। इनमें एक रेहड़ी, स्कूटी आदि में भी आग लगा दी थी। अहम बात यह है कि उपद्रवियों ने जिस जी व एच ब्लाक को निशाना बनाया था, उनमें ज्यादातर बहुसंख्यक आबादी रहती है। इतना ही नहीं उपद्रवियों ने जी ब्लाक में खड़ी राशन की एक ट्रक को लूट लिया था और उसमें लगी बैट्री आदि भी अपने साथ लेकर चले गए। उपद्रवियों ने एच ब्लाक में आशवात मेडिकोज में तोड़फोड़ कर नकदी लूट ली थी।

पुलिस कमिश्नर राकेश अस्थाना पहुंचे मीणा के घर

मेदालाल से पुलिस कमिश्नर राकेश अस्थाना ने उनके घर पर मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। उनसे हिंसा के बारे में भी पूछा। मेदालाल की पत्नी संतरा ने पति के घर आने के बाद राहत की सांस ली है। मीणा के घर पर पड़ोसियों का दिनभर तांता लगा रहा। हर कोई मीणा का हालचाल जानने के लिए पुलिस कालोनी पहुंच रहा था।

दिल्ली में हुए दंगे में भी छतों पर एकत्र किए गए थे हथियार

वर्ष 2020 में उत्तर पूर्वी दिल्ली में दंगों में तबाही मचाने के लिए दंगाइयों ने अपने छतों पर कई तरह के हथियार जुटाए थे। ईंट पत्थर के साथ ही दंगाइयों ने पेट्रोल बम, तेजाब के पाउच, पिस्टल, राड डंडे, दूर तक फेंके जाने वाले धारदार हथियार और एक विशेष तरह की गुलेल आदि की व्यवस्था की गई थी।

पेशी के दौरान बेशर्मी की हद पार करता दिखा अंसार

इसके अलावा रोहिणी कोर्ट में पेशी के लिए ले जाने के दौरान मुख्य आरोपित अंसार का भी एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह फिल्म पुष्पा की स्टाइल में इशारे करते हुए दिख रहा है और मुस्कुरा भी रहा है। हालांकि पेशी के बाद जब वह कोर्ट से बाहर आया तो उसके तेवर बदले हुए थे और वह खुद को कैमरे पर कसूरवार बता रहा था। इसके अलावा तोड़फोड़, पथराव आदि के भी कई वीडियो सामने आ रहे हैं। हिंसा में जहांगीरपुरी सी ब्लाक के प्रधान इसराफिल के बेटे अहसनुर का नाम भी सामने आ रहा है।

पुलिस छावनी बना इलाका

मौके पर दंगा निरोधक बल, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के अलावा बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती से पूरा इलाका छावनी में तब्दील हो गया है। हालांकि घटनास्थल के आसपास की दुकानें बंद रहीं। लोगों को घरों से कम ही निकलते देखा गया।

एक दिन पहले रची गई थी हिंसा भड़काने की साजिश

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके में हिंसा भड़काने की साजिश एक दिन पूर्व ही रची गई थी। पुलिस ने आरोपितों को रोहिणी कोर्ट में ड्यूटी महानगर दंडाधिकारी की अदालत में पेश किया। पुलिस ने कोर्ट में कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि दोनों आरोपितों को 15 अप्रैल को जानकारी मिल गई थी कि हनुमान जन्मोत्सव पर शनिवार को इलाके में शोभायात्रा निकलने वाली है।

मुख्य साजिशकर्ता अंसार व असलम सहित कई आरोपितों को रोहिणी कोर्ट में पेश करने के समय पुलिस ने दावा किया कि अंसार और असलम ने 15 अप्रैल को ही हिंसा की साजिश रची थी। आरोपितों ने साजिश के तहत छतों पर ईंट-पत्थर एकत्र किए थे।

वायरल वीडियो से गोली चलाने वाले युवक की हुई पहचान: जहांगीरपुरी में हुई हिंसा को लेकर रविवार को अभसी मंचों पर कई वीडियो वायरल होते रहे। लोग वीडियो को ट्विटर समेत अन्य इंटरनेट मीडिया पर साझा करते रहे। इनमें एक ऐसा वीडियो भी वायरल हुआ, जिसमें टोपी पहने युवक पथराव के बीच पिस्टल से फायरिंग करता दिख रहा है। उसकी पहचान सोनू के रूप में हुई है। वह अभी पुलिस की पकड़ से बाहर है।

अफवाह फैलाने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई

पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि जहांगीरपुरी की घटना से संबंधित किसी भी तरह की अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल जहांगीरपुरी में स्थिति सामान्य है। सोशल मीडिया पर पुरानी घटनाओं के फोटो आदि को साझा कर उसे जहांगीरपुरी की घटना से जोड़ कर दिखाने की बातें सामने आ रही हैं। लोगों से अपील है कि किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें।

जहांगीरपुरी में कुशल सिनेमा के पास हुई हिंसा के बाद रविवार को इलाके में सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर अमन-कमेटी के सदस्यों के साथ बैठक करती पुलिस • जागरण

Dainik Jagran, Prayagraj , (UP)

संगम पर योग करते 101 आरएएफ के अधिकारी व जवान • साभार : आरएएफ

योग कर स्वस्थ रहने का दिया संदेश

संसू, फाफामऊ : आरएएफ 101 बटालियन के जवानों और अधिकारियों ने शनिवार की सुबह संगम तट पर आजादी के अमृत महोत्सव के तहत योगाभ्यास किया। इस दौरान दौरान अनुलोम- विलोम, प्राणायाम, ताड़ासन, वृक्षासन, घुटना संचालन, भद्रासन, शवासन आदि प्रकार के योग कर जवान और अधिकारियों ने स्वस्थ रहने का संदेश दिया।

अंत में आरएएफ 101 बटालियन के द्वितीय कमान अधिकारी नरेंद्र कुमार ने कहाकि जवान और अधिकारियों को योग अनिवार्य रूप से करना चाहिए। योग एक ऐसी सुलभ एवं प्राकृतिक पद्धति है जिससे स्वस्थ मन एवं शरीर के साथ-साथ आध्यात्मिक लाभ भी प्राप्त किया जा सकता है। इस अवसर पर उप कमांडेंट विनोद कुमार, बृजेश दुबे, प्रदीप पाठक, सरोज कुमार, सहायक कमांडेंट संजीत कुमार, संतोष कुमार आदि शामिल रहे।

Photos of Deployment/Fam-Ex/Other Activities of RAF

सी0आर0पी0एफ0 सदा अजेय, भारत माता की जय।